३. सच हम नहीं; सच तुम नहीं

(आकलन)

१. (अ) कविता की पंक्ति पूर्ण कीजिए :

(१) बेकार है मुस्कान से ढकना, **हृदय की खिन्नता।**

(२) आदर्श हो सकती नहीं, **तन और मन की भिन्नता।**

(३) अपने हृदय का सत्य, **अपने-आप हमको खोजना।**

(४) अपने नयन का नीर, **अपने-आप हमको पोंछना।**

(आ) लिखिए :

(१) जीवन यही है -

उत्तर : (i) नत न होना।

(ii) पंथ भूलने पर भी न रुकना।

(iii) हार देखकर भी न झुकना।

(iv) मृत्यु को भी जीत लेना।

(२) मिलना वही है -

उत्तर : जो मँझधार को मोड़ दे।

(शब्द संपदा)

२. प्रत्येक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :

(अ) पंथ - **रास्ता डगर**

(आ) काँटा - **शूल कंटक**

(इ) फूल - **पुष्प कुसुम**

(ई) नीर - **अंबु जल**

(उ) नयन - **चक्षु आँख**

(अभिव्यक्ति)

३. (अ) 'जीवन निरंतर चलते रहने का नाम है', इस विचार की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : जीवन का उद्देश्य निरंतर आगे-ही-आगे बढ़ते रहना है। जीवन में ठहराव आने को मृत्यु की संज्ञा दी जाती है। अनेक महापुरुषों ने अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए जीवन भर संघर्ष किया है और उनका नाम अमर हो गया है। जीवन का मार्ग आसान नहीं है। उस पर पग-पग पर कठिनाइयाँ आती रहती हैं। इन कठिनाइयों से उसे जूझना पड़ता है। उसमें हार भी होती है और जीत भी होती है। असफलताओं से मनुष्य को घबराना नहीं चाहिए। बल्कि उनका दृढ़तापूर्वक सामना करके उसमें से अपना मार्ग प्रशस्त करना और निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। एक दिन मंजिल अवश्य मिलेगी। जीवन संघर्ष कभी न खत्म होने वाला संग्राम है। इसका सामना करने का एकमात्र मार्ग है निरंतर चलते रहना और हर स्थिति में संघर्ष जारी रखना।

(आ)
'संघर्ष करने वाला ही जीवन का लक्ष्य प्राप्त करता है', इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

उत्तर : दुनिया में दो प्रकार के मनुष्य होते हैं। एक वे जो सामान्य रूप से चलनेवाली जिंदगी जीना पसंद करते हैं और आगे बढ़ने के लिए किए जानेवाले उठा-पटक को पसंद नहीं करते। दूसरे तरह के वे लोग होते हैं, जो अपना लक्ष्य निर्धारित कर लेते हैं और उसे प्राप्त करने के लिए संघर्ष का रास्ता चुनते हैं। ऐसे लोगों का जीवन आसान नहीं होता। इन्हें पग-पग पर विभिन्न रुकावटों का सामना करना पड़ता है। पर ऐसे लोग इन रुकावटों से डरते नहीं, बल्कि हँसते-हँसते इनका सामना करते हैं। सामना करने में अनेक बार असफलता भी इनके हाथ लगती है। पर ये इससे हताश नहीं होते। ये फिर अपनी गलतियों को सुधारते हैं और नए सिरे से संघर्ष करने में जुट जाते हैं। परिस्थितियाँ कैसी भी हों, वे न झुकते हैं और न हताश होते हैं। उनके सामने सदा उनका लक्ष्य होता है। उसे प्राप्त करने के लिए वे निरंतर संघर्ष करते रहते हैं। ऐसे लोग अपनी निष्ठा और लगन के बल पर एक-न-एक दिन अवश्य सफल हो जाते हैं। वे संघर्ष के बल पर अपने जीवन का लक्ष्य प्राप्त करके रहते हैं।

(रसास्वादन)

४.
'आँसुओं को पोंछकर अपनी क्षमताओं को पहचानना ही जीवन हैं', इस सच्चाई को सम झाते हुए कविता का रसास्वादन कीजिए।

उत्तर : डॉ. जगदीश गुप्त द्वारा लिखित कविता 'सच हम नहीं, सच तुम नहीं में जीवन में निरंतर संघर्ष करते रहने का आह्वान किया गया है।
कवि पानी-सी बहने वाली सीधी-सादी जिंदगी का विरोध करते हुए संघर्षपूर्ण जीवन जीने की

बात करते हैं। वे कहते हैं, जो जहाँ भी हो, उसे संघर्ष करते रहना चाहिए।
संघर्ष में मिली असफलता से निराश होने की आवश्यकता नहीं है। ऐसी हालत में हमें किसी के सहयोग की आशा नहीं करनी। हमें अपने आप में खुद हिम्मत लानी होगी और अपनी क्षमता को पहचान कर नए सिरे से संघर्ष करना होगा। मन में यह विश्वास रखकर काम करना होगा कि हर राही को भटकने के बाद दिशा मिलती ही है और उसका प्रयास व्यर्थ नहीं जाएगा। उसे भी दिशा मिलकर रहेगी।
कवि ने सीधे-सादे शब्दों में प्रभावशाली ढंग से अपनी बात कही है। अपनी बात कहने के लिए उन्होंने 'अपने नयन का नीर पोंछने' शब्द समूह के द्वारा हताशा से अपने आपको उबार कर स्वयं में नई शक्ति पैदा करने तथा 'आकाश सुख देगा नहीं, धरती पसीजी है नहीं से यह कहने का प्रयास किया है कि भगवान तुम्हारी सहायता के लिए नहीं आने वाले हैं और धरती के लोग तुम्हारे दुख से द्रवित नहीं होने वाले हैं। इसलिए तुम स्वयं अपने आप को सांत्वना दो और नए जोश के साथ आगे बढ़ो। तुम अपने लक्ष्य पर पहुँचने में अवश्य कामयाब होंगे।

(साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान)

५. जानकारी दीजिए :
(अ) 'नयी कविता' के अन्य कवियों के नाम - **रामस्वरूप चतुर्वेदी, विजयदेव साही**
(आ) कवि डॉ. जगदीश गुप्त की प्रमुख साहित्यिक कृतियों के नाम

- **'नाँव के पाँव, शब्द दंश, हिम विद्ध, गोपा-गौतम' (काव्य संग्रह), 'शंबूक' (खंडकाव्य), 'भारतीय कला के पदचिह्न, नयी कविता : स्वरूप और समस्याएँ, केशवदास' (आलोचना) तथा 'नयी कविता' (पत्रिका)।**

६. निम्नलिखित वाक्यों में अधोरेखांकित शब्दों का लिंग परिवर्तन कर वाक्य फिर से लिखिए :

(१) बहुत चेष्टा करने पर भी हरिण न आया।

उत्तर : बहुत चेष्टा करने पर भी **हरिणी** न आई।

(२) सिद्धहस्त लेखिका बनना ही उनका एकमात्र सपना था।

उत्तर : सिद्धहस्त **लेखक** बनना ही उनका एकमात्र सपना था।

(३) तुम एक समझदार लड़की हो।

उत्तर : तुम एक समझदार **लड़के** हो।

(४) मैं पहली बार वृद्धाश्रम में मौसी से मिलने आया था।

उत्तर : मैं पहली बार वृद्धाश्रम में **मौसा** से मिलने आया था।

(५) तुम्हारे जैसा पुत्र भगवान सब को दे।

उत्तर : तुम्हारी जैसी **पुत्री** भगवान सब को दे।

(६) साधु की विद्वत्ता की धाक दूर-दूर तक फैल गई थी।

उत्तर : साध्वी की विद्वत्ता की धाक दूर-दूर तक फैल गई थी।

(७) बूढ़े मर गए।

उत्तर : बुढ़ियाँ मर गईं।

(८) वह एक दस वर्ष का बच्चा छोड़ा गया।

उत्तर : वह एक दस वर्ष **की बच्ची छोड़ी गई।**

(९) तुम्हारा मौसेरा भाई माफी माँगने पहुँचा था।

उत्तर : तुम्हारी मौसेरी बहन माफी माँगने **पहुँची थी।**

(१०) एक अच्छी सहेली के नाते तुम उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि का अध्ययन करो।

उत्तर : एक **अच्छे मित्र** के नाते तुम उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि का अध्ययन करो।